11 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में भारत की सांस्कृतिक धरोहर की झलक

इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले की थीम 'भारत की सांस्कृतिक धरोहर' है। हॉल सं. 7 में स्थित थीम पैवेलियन में हमारी संस्कृति को आकार देने वाले विषयों जैसे दर्शन, ज्ञान, परंपरा तथा बहुभाषीय साहित्यिक प्रथाओं की झलक प्रस्तुत की जा रही है।

मेले में लगी प्रदर्शनी को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि वह भारत की सांस्कृतिक विरासत के दिग्दर्शन करवाती नज़र आती है। थीम मंडप में विभिन्न भारतीय भाषाओं में भारतीय कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य, दर्शन आदि विषयों पर आधारित 800 से अधिक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया है। मंडप में रामायण तथा अथर्ववेद जैसी प्राचीन पांडुलिपियों को भी प्रदर्शित किया गया है।

थीम मंडप पर प्रतिदिन अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आज मंडप पर 'संस्कृत के माध्यम से विज्ञान' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने संस्कृत ग्रंथों में उल्लिखित प्राचीन काल में हुए वैज्ञानिक विकास पर अपने विचार साझा किए। उनका मत था कि पहले के समय में भारत की एक विकसित वैज्ञानिक प्रणाली थी तथा उस समय विभिन्न तकनीकों का आविष्कार हुआ, जो अब आधुनिक विज्ञान का आधार मानी जाती हैं। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे– श्री श्रीश जी देवपुजारी, डॉ. सी.एस. आर. प्रभु तथा प्रो. श्रीरामजी ज्योतिषी। कार्यक्रम में एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे।

थीम मंडप में कस्तूरी पटनायक व उनके समूह द्वारा *ओडिसी नृत्य* प्रस्तुति, वनलाल पावला तथा उनके समूह द्वारा बाँस *नृत्य* प्रस्तुति; सुरेश और वीणा व्यास द्वारा *चारी एवं भवाई नृत्य* प्रस्तुति; लिपिका भट्टाचार्य द्वारा *भक्ति गीत* प्रस्तुति; ईस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर, कोलकाता के कलाकारों द्वारा *जयदेव के गीतगोविंद* पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया।

नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच

मेले में प्रकाशकों हेतु दो दिवसीय बी2बी कार्यक्रम, 'नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच' (राइट्स टेबल) का आयोजन 11 से 12 जनवरी, 2016 तक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारत सहित मिस्र, नेपाल, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया आदि देशों से आए 60 से अधिक प्रकाशक

भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि यह प्रतिलिप्यधिकार मंच प्रकाशकों को एक ही स्थान पर परस्पर मिलने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में एनबीटी की निदेशक डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं।

बाल मंडप

पुस्तक मेले में बने बाल मंडप में बच्चों के लिए विभिन्न बाल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जो हर आयु–वर्ग के पुस्तक प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। आज इस मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रख्यात असमिया लेखिका, सुश्री बंदिता फुकन के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया । सुश्री बंदिता फुकन असम की प्रथम मैकेनिकल इंजीनियर हैं और इन्होंने विज्ञान गल्प, एलियन्स, पशुओं आदि विषयों पर लगभग 100 पुस्तकें लिखी हैं। इन्होंने बच्चों को पौराणिक पात्रों पर आधारित कहानी सुनाई। इसके पश्चात *राहें डेवलपमेंट सोसाइटी* से आए बच्चों द्वारा पर्यावरण पर आधारित एक प्रहसन प्रस्तुत किया गया। बाल मंडप पर स्वयंसेवी संगठन, सरस्वती बगध्वनि के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 'पोहार बिसारी' नामक मंच एकांकी आयोजित की गई जिसमें पूर्वोत्तर से आए विशिष्ट बच्चों द्वारा प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा तथा एनबीटी की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं।

अन्य कार्यक्रम

आज पुस्तक मेले में अनेक पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिनमें शामिल हैं : विश्व हिंदी साहित्य परिषद, दिल्ली द्वारा प्रकाशित *बियॉन्ड न्यूज़*; सामयिक प्रकाशन की *मिलजुल मन* तथा *कुइयाँ जान*; साहित्य निकेतन, बिजनौर द्वारा प्रकाशित *कुछ अपनी कुछ जग बीती, हिंदी कहानी के नए प्रतिमान, सफर में साथ, एक इंद्रधनुषी व्यक्तित्व, बाल कृष्ण के बाल गीत, औरत की जंग* आदि।